स्वदेश ज्योति

रूपक महोत्सव में संस्कृत नाटकों का हुआ मंचन

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

रविन्द्र भवन में चल रहे अखिल भारतीय रूपक महोत्सव के दूसरे दिन संस्कृत नाटकों की प्रस्तुति दी गई। पहली प्रस्तुति विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर बलाहार ,हिमाचल प्रदेश ने आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी द्वारा विरचित नाटिका यूथिका की प्रस्तुति दी। यह नाटिका मानवीय संवेदनाओं की उन गहन भावनाओं का वर्णन करती है जो समाज का एक महत्वपूर्ण अंग हैं । इस नाटक के विषयवस्तु में लात वंश की यूथिका और मान वंश के हर्ष के मध्य प्रेम संबंध स्थापित हो जाता है। इस विषय वस्तु को सजीव अभिनय के द्वारा दर्शाया गया । द्वितीय प्रस्तुति में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा रचित मशकधानी नाटक की प्रस्तुति दी गई। यह एक हास्य व्यंग्य प्रेक्षणक है जो मच्छरों के आतंक को दर्शाता है। इस हास्य -व्यंग्य प्रेक्षणक में मच्छर अपनी व्यथा और समस्या को प्रस्तुत करते हुए कथा के साथ संबंद्ध होते हैं। सामान्य जीवन के दैनिक कार्य कलापों में हास्य किस प्रकार उत्पन्न होता है यह इस संस्कृत रुपक में प्रदर्शित हुआ। इसी दिन कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, केरल ने धर्मचक्रप्रवतर्नम नामक नाटक की प्रस्तुति दी। गुजरात विश्वविद्यालय के आचार्य वसंत कुमार भट्ट द्वारा लिखित इस विशिष्ट नाटक धर्मचक्रप्रवर्तनम का कथानक शशपण्डित, विवेचन और परिव्राजक चरित्रों पर आधारित है।

नारी पीड़ा को दर्शाता है सुशीला

गुरुवायुर, केरल से आए नाट्य दल ने कविवर राधा वल्लभ त्रिपाठी द्वारा लिखित नाटक सुशीला का मंचन किया। महिलाओं की पीड़ा को दर्शाता हुआ यह प्रसिद्ध नाटक मुख्य पात्र सुशीला द्वारा महिलाओं की शक्ति को स्वयं पहचान कर प्रत्यक्ष प्रकट करने के भाव के साथ समाप्त होता है। द्वितीय दिन नाट्यशास्त्र अध्ययन अनुसंधान केंद्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने देवशुनी रूपक प्रस्तुत किया। ऋग्वेद की कथा पर आधारित इस रूपक में दर्शाया कि भ्रष्टाचार व अनैतिकता जगत में व्याप्त होने पर भगवान इंद्र किस प्रकार सृष्टि के पशु– पक्षियों की सहायता से सत्य व मूल्य को पुर्नस्थापित करते हैं। शास्त्रों में सदैव ही सृष्टि के समस्त अंगों को महत्व दिया गया है।

Bhopal Main-Edition Edition
Feb 13, 2025 Page No. 2
Powered by: erelego.com

संस्कृत का अपमान बर्दाश्त नहीं : प्रो. मोहिनी

परागपुर/रक्कड़ (कांगड़ा)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. मोहिनी अरोड़ा ने डीएमके सांसद दयानिधि मारन के संस्कृत विरोधी टिप्पणी की निंदा करते हुए प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की अस्मिता है और इसका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संस्कृत सदा से ही समृद्ध एवं सशक्त भाषा रही है। यह ज्ञान-विज्ञान का अक्षय कोष है और आधुनिक तकनीकि में भी इसका महत्व है मारन जैसे लोग संस्कृत के प्रति अपनी अनजानी और असम्मानजनक टिप्पणी से अपना संस्कृत विरोधी प्रेपोगेंडा प्रदर्शित कर रहे हैं। संवाद

पंजाब केसरी
FRI,21 FEBRUARY 2025
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 3

संस्कृत भारत की अस्मिता, इससे दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं : अरोड़ा

रक्कड़, 20 फरवरी (आनंद): केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर (कांगड़ा) स्थित वेदव्यास परिसर में महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. मोहिनी अरोड़ा ने डी.एम. के सांसद दयानिधि मारन की संस्कृत विरोधी टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी द्वारा सांसद मारन द्वारा अविलंब माफी न मांगने पर देशव्यापी आंदोलन चलाए जाने में महिला शक्ति का भी सक्रिय योगदान महिला अध्ययन केंद्र के माध्यम से दिए जाने की बात कही है। प्रो. अरोड़ा का कहना है कि संस्कृत सदा से ही समृद्ध एवं सशक्त भाषा रही है। यह ज्ञान विज्ञान का अक्षय कोष है, आधुनिक तकनीकी में भी देखें तो संस्कृत कम्प्यूटर के लिए अत्यंत उपयोगी भाषा है।

उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की अस्मिता है, इससे दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा। संस्कृत जैसी उत्कृष्ट और भारत के जनमानस में आत्मा के रूप में रची-बसी भाषा पर फूहड़ टीका-टिप्पणी करने वाले डी.एम. के सांसद दयानिधि मारन को अवश्य ही भारत की जनता से माफी मांगनी होगी।

सांसद दयानिधि मारन की संस्कृत विरोधी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं

परागपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर (कांगड़ा) स्थित वेदव्यास परिसर में महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. मोहिनी अरोड़ा ने डीएमके सांसद दयानिधि मारन के संस्कृत विरोधी टिप्पणी पर कहा कि संस्कृत भारत की अस्मिता है और इसका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रो. अरोड़ा ने कहा कि संस्कृत सदा से ही समृद्ध एवं सशक्त भाषा रही है। यह ज्ञान-विज्ञान का अक्षय कोष है और आधुनिक तकनीकी में भी इसका महत्व है। उन्होंने कहा कि मारन जैसे लोग संस्कृत के प्रति अपनी अनजानी और असम्मानजनक टिप्पणी से अपना संस्कृत विरोधी प्रेपोगेंडा प्रदर्शित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संस्कृत विवि के हिमाचल स्थित वेदव्यास परिसर का महिला अध्ययन केंद्र दयानिधि मारन की सोच की कड़े शब्दों में निंदा करता है।

NEWSPAPERS CLIPPINGS

February, 2025

सार संक्षेप

संस्कृत भारत की अस्मिता, दुर्व्यवहार न हो

परागपुर/रक्कड़ : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर (कांगड़ा) स्थित वेदव्यास परिसर में महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. मोहिनी अरोड़ा ने डीएमके सांसद के संस्कृत विरोधी टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

प्रो. मोहिनी अरोड़ा • जागरण

उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की अस्मिता है। इससे दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा। सांसद अविलंब माफी मांगे नहीं तो देशव्यापी आंदोलन चलाए जाने में महिला शक्ति का भी सक्रिय योगदान महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से दिया जाएगा। भारतीय संस्कृति का तो मूल ही संस्कृत है। उस पर इस प्रकार टिप्पणी करना अपने ही अस्तित्व का नाश करने जैसा है। महिला अध्ययन केंद्र सांसद की सोच की कड़े शब्दों में निंदा करता है। (जाटी)

पंजाब केसरी

WED,26 FEBRUARY 2025

EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 2

रक्कड़ : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षक व अन्य। (आनंद)

वेदव्यास परिसर बलाहर में मन्तिक कार्यशाला का उद्घाटन

रक्कड़, 25 फरवरी (आनंद): केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदव्यास परिसर बलाहर में मन्तिक कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यशाला में मुख्यातिथि प्रो. राम कुमार शर्मा व प्रो. ई.एम. राजन उपस्थित रहे। कार्यशाला 3 मार्च तक चलेगी। कार्यशाला में विभिन्न प्रदेशों से आए हुए सहायकाचार्य, शोधछात्र, स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र अध्ययन करेंगे। कार्यशाला निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में हुई। कार्यशाला के सह-संयोजक डॉ. श्याम बाबू एवं डॉ. शक्ति शरण शर्मा के साथ डॉ. हरि ओम, डॉ. महात्मा वीणा एवं डा. राजन मिश्र, डॉ. गोविन्द नारायण दीक्षित प्राध्यापक व कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

संस्कृत भारती ने शुरु किया संस्कृत संभाषण शिविर

रक्कड़ (कांगड़ा)। पीएम केंद्रीय विद्यालय नलेटी में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर एवं संस्कृत भारती (हिमाचल प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आरंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रधानाचार्य सतनाम सिंह एवं मुख्य वक्ता के रूप में वेदव्यास परिसर बलाहर के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के अध्यक्ष डॉ. सत्यदेव उपस्थित रहे। शिविर शिक्षक के रूप में वेदव्यास परिसर बलाहर के व्याकरण विद्या शाखा के प्राध्यापक डॉ. रूपलाल शर्मा एवं डॉ. भूपेंद्र कुमार ओझा रहे। डॉ. सत्यदेव ने बताया कि शिविर केंद्रीय विद्यालय नलेटी के छठी से आठवीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के संस्कृत विषय के प्राध्यापक आचार्य किशोरी लाल ने छात्रों को रुचिपूर्वक 10 दिन तक संस्कृत सीखने के लिए प्रेरित किया। संवाद

केन्द्रीय संस्कृत विवि बलाहर का स्तुतिगान किया

परागपुर : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर बलाहर में संस्कृत भारती न्यास के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन का शुभारंभ सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य दिनेश शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि बलाहर में निर्मित इस विद्यापीठ का होना क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के इस परिसर में संपूर्ण देश से छात्र अध्ययन के लिए आते हैं। देवभूमि हिमाचल में स्थापित यह परिसर ऐसे ही समुन्नति करता रहे व विभिन्न

केंद्रीय संस्कृत विवि में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य को सम्मानित करते आयोजक • जागरण

राज्यों से अध्ययन के लिए आए छात्र इसका नाम रोशन करते रहें। (संसू)

बलाहर में विद्यापीठ का होना क्षेत्रवासियों को गर्व की बात

परागपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर बलाहर में संस्कृत भारती हिमाचल प्रदेश न्यास के संयुक्त तत्त्वावधान में 12 जुलाई से 21 जुलाई 2025 तक आयोजित दस दिवसीय अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य दिनेश शर्मा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। कलोहा निवासी दिनेश शर्मा ने कहा कि बलाहर में निर्मित इस विद्यापीठ का होना क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के इस परिसर में संपूर्ण देश से छात्र अध्ययन हेतु आते हैं, जिससे हम क्षेत्रवासियों का मस्तक गर्व से ऊंचा होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव एवं समस्त प्रशासनिक व शैक्षणिक अधिकारियों एवं वेदव्यास परिसर के समस्त आचार्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए देवभूमि हिमाचल में स्थापित यह परिसर ऐसे ही समुन्नति करता रहे एवं राज्य के साथ-साथ देश के विविध राज्यों से अध्ययन हेतु आए छात्र इसका नाम रोशन करते रहें ।

बलाहर में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गर्व की बात : दिनेश

रक्कड़ : दिनेश शर्मा को स्मृतिचिन्ह देते हुए परिसर अधिकारी। (आनंद)

रक्कड़, 17 जुलाई (आनंद): केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर बलाहर में संस्कृत भारती-हिमाचल प्रदेश न्यास के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य दिनेश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कलोहा निवासी दिनेश शर्मा ने कहा कि बलाहर में इस विद्यापीठ का होना क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के इस परिसर में सम्पूर्ण देश से छात्र अध्ययन हेतु आते हैं, जिससे हम क्षेत्रवासियों का मस्तक गर्व से ऊंचा होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव एवं समस्त प्रशासनिक व शैक्षणिक अधिकारियों एवं वेदव्यास परिसर के समस्त आचार्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देवभूमि हिमाचल में स्थापित यह परिसर ऐसे ही समुन्नति करता रहे एवं राज्य के साथ-साथ देश के विविध राज्यों से अध्ययन हेतु आए छात्र इसका नाम रोशन करते रहें।

पंजाब केसरी

SAT,19 JULY 2025
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO.

रक्कड़ : कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राएं। (आनंद)

प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ समाज को मिलेगा

रक्कड़, 18 जुलाई (आनंद): 10 दिवसीय अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के 7वें दिन का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल कूहना के कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्याम कुमार एवं देहरा जिला प्रचारक सुनील शर्मा ने प्रात: वंदना सत्र में दीप प्रज्वलन के साथ किया।

अतिथि के रूप में उपस्थित प्रधानाचार्य ने संस्कृत की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ समाज को जरूर मिलेगा और छात्रों के लिए वैयक्तिक रूप से भी यह कल्याणकारी रहेगा।

पंजाब केसरी
TUE,22 JULY 2025
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 2

छात्रों एवं विश्वविद्यालय परिसर के लिए लाभकारी होगा प्रशिक्षण कार्यक्रमः नरेंद्र

रक्कड़ : कार्यक्रम के दौरान बैठे छात्र-छात्राएं। (आनंद)

रक्कड़, 21 जुलाई (आनंद): केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में संस्कृत भारती-हिमाचल प्रदेश न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 12 जुलाई से आरंभ हुए अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन परिसर के भरत मंडप में किया गया। समापन समारोह में संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री नरेन्द्र कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में परिसर निदेशिका प्रो. सत्यम कुमारी, सारस्वत अतिथि के रूप में परिसर सह-निदेशक प्रो. मंजूनाथ एस.जि., विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृत भारती के प्रान्त अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा उपस्थित रहे। संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय के वेदाचार्य डा. सन्नी कुमार ने वैदिक मंगल आचरण किया। व्याकरण विद्या शाखा के आचार्य डा. रूपलाल शर्मा ने लौकिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमुख संस्कृत भारती हिमाचल प्रदेश के प्रान्त शिक्षण प्रमुख डा. मुकेश कुमार ने सम्पूर्ण वर्ग का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संसाधक के रूप में उपस्थित डॉ. जयकृष्ण शर्मा एवं रजनी ने भी अपने अनुभव सांझा किए।

मुख्यातिथि ने कहा कि यह कार्यक्रम सभी छात्रों एवं विश्वविद्यालय परिसर के लिए लाभकारी होगा एवं परिसर में इससे एक विशेष परिवेश का निर्माण होगा। विशिष्ट अतिथि संस्कृत भारती हिमाचल प्रान्त के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों के संचालन के लिए आह्वान किया। इसके बाद सभी संसाधकों, प्रबन्धकों एवं सदस्यों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

बलाहर वेदव्यास परिसर में विशिष्ट व्याख्यान

परागपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई द्वारा परिसर प्राध्यापकों एवं छात्रों के लिए विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें व्याख्याता के रूप में संस्कृत भारती अखिल भारतीय संघटन के अखिल भारत संपर्क प्रमुख श्रीशदेवपुजारी उपस्थित रहे। भारतीय ज्ञान प्रणाली की अवधारणा, संप्रत्यय, समस्याएं, सम्मुखीकरण की तैयारी आदि विषयों पर सूक्ष्म परिचर्चा की गई व उपस्थित छात्रों को संस्कृत क्षेत्र में उनकी भूमिका के संदर्भ में अभिप्रेरित किया गया। व्याख्यान के उपरांत परिसरीय आचार्यों के साथ विशेष परिचर्चा की गई। इस प्रवास के दौरान हिमाचल में संगठन कार्य के विस्तार, सुव्यवस्थीकरण एवं संवर्धन की दृष्टि से विशेष रूप से मार्गदर्शन प्रान्त के कार्यकर्ताओं को प्राप्त हो रहा है। इसके साथ-साथ प्रदेश में प्रवर्तमान संस्कृत अध्ययन अध्यापन के केंद्र जैसे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला, संस्कृत महाविद्यालय, गुरुकुलादि शैक्षणिक संस्थाओं में परिवेश, वर्तमान परिस्थिति, भावी कालीन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समाज के प्रतिष्ठित एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों से मिलने की योजना तय की गई है। वेद व्यास परिसर में आयोजित इस विशिष्ट व्याख्यान में परिसर के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

NEWSPAPERS CLIPPINGS

August, 2025

भारतीय ज्ञान प्रणाली की चर्चा की

रक्कड़, 26 जुलाई (आनंद): केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई द्वारा परिसर प्राध्यापकों एवं छात्रों के लिए विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें व्याख्याता के रूप में संस्कृत भारती अखिल भारतीय संघटन के अखिल भारत सम्पर्क प्रमुख श्रीश देव पुजारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली की अवधारणा, सम्प्रत्यय, समस्याएं, सम्मुखीकरण की तैयारी आदि विषयों पर परिचर्चा की गई। व्याख्यान के उपरांत परिसरीय आचार्यों के साथ विशेष परिचर्चा की गई।

महाराष्ट्र विद्यापीठ के महानिदेशक ने भरी हाजिरी

गरली। लोकमान्यतिलक फंडामेंटल आयुर्वेद शोधकेंद्र तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ पुणे के महानिदेशक प्रोफेसर अभिजीत हनुमंत जोशी ने सोमवार को ज्वालामुखी माता के दरबार में धर्मपत्नी सहित शीश नवाया। इससे पूर्व उन्होंने वेदव्यास परिसर गरली बलहार में एक कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। परिसर के साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डा. योगेश पांडे ने बताया कि प्रो. अभिजीत हनुमंत जोशी इससे पूर्व पंजाब की शहीदभगत सिंह यूनिवर्सिटी में बतौर कुलपति कार्यरत रहे हैं। प्रो. अभिजीत आयुर्वेद पर व्याख्यान देने के लिए अब तक विश्व भर के करीब 20 देशों में जा चुके हैं।

पंजाब केसरी SUN,03 AUGUST 2025
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 3

शर्मा ने बच्चों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

भारतीय संस्कृति संस्कृत भारती एक प्रमुख संगठन : डा. शैलेश

रक्कड़, 2 अगस्त (आनंद): भारतीय संस्कृति, परंपरा व भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित संस्कृत भारती एक प्रमुख संगठन है, जोकि आगामी सप्ताह को संस्कृत सप्ताह के रूप में मनाने जा रही है।

संस्कृत भारती (हिमाचल प्रदेश) देहरा जनपद प्रचार प्रमुख एवं ज्योतिषाचार्य डा. शैलेश कुमार तिवारी ने बताया कि संस्कृत भारती द्वारा आगामी सप्ताह को संस्कृत सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। यह आयोजन श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) से 3 दिन पहले यानी 6 अगस्त और 3 दिन बाद यानी 12 अगस्त तक देशभर में विभिन्न स्तरों पर किया जाएगा। डा. शैलेश तिवारी ने बताया कि इस उपलक्ष्य में शोभायात्रा, भजन संध्या, पत्र वितरण व स्तोत्र पाठ आदि का आयोजन किया जाएगा। संस्कृत भारती का मुख्य उद्देश्य भाषा के वैज्ञानिक पाठ्यक्रम एवं विशिष्ट शैली द्वारा सहज रूप से संस्कृत संभाषण सीखना है। डा. शैलेश के अनुसार आगामी सोमवार को इस उपलक्ष्य में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में भी संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

संस्कृत प्रचार का संकल्प लेकर पूर्ण हुआ प्रशिक्षण

रक्कड़/परागपुर (कांगड़ा)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में आयोजित दस दिवसीय अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हुआ। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने संस्कृत प्रचार और संस्कृतमय वातावरण निर्माण का संकल्प लिया।

संस्कृत भारती-हिमाचल न्यास के संयुक्त तत्वावधान में समारोह में संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री नरेंद्र कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने संस्कृत प्रचार के लिए स्थायी केंद्रों की स्थापना और परिसर में संस्कृत संवाद दैनिक व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया। संवाद

भारतीय संस्कृति संस्कृत भारती एक प्रमुख संगठन : डा. शैलेश

रक्कड़, 2 अगस्त (आनंद): भारतीय संस्कृति, परंपरा व भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित संस्कृत भारती एक प्रमुख संगठन है, जोकि आगामी सप्ताह को संस्कृत सप्ताह के रूप में मनाने जा रही है।

संस्कृत भारती (हिमाचल प्रदेश) देहरा जनपद प्रचार प्रमुख एवं ज्योतिषाचार्य डा. शैलेश कुमार तिवारी ने बताया कि संस्कृत भारती द्वारा आगामी सप्ताह को संस्कृत सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। यह आयोजन श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) से 3 दिन पहले यानी 6 अगस्त और 3 दिन बाद यानी 12 अगस्त तक देशभर में विभिन्न स्तरों पर किया जाएगा। डा. शैलेश तिवारी ने बताया कि इस उपलक्ष्य में शोभायात्रा, भजन संध्या, पत्र वितरण व स्तोत्र पाठ आदि का आयोजन किया जाएगा। संस्कृत भारती का मुख्य उद्देश्य भाषा के वैज्ञानिक पाठ्यक्रम एवं विशिष्ट शैली द्वारा सहज रूप से संस्कृत संभाषण सीखना है। डा. शैलेश के अनुसार आगामी सोमवार को इस उपलक्ष्य में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में भी संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

हरिपुर कॉलेज में बताया संस्कृत का महत्व

हरिपुर (कांगड़ा)। चंद्रधर गुलेरी राजकीय महाविद्यालय हरिपुर में संस्कृत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी प्राचार्य डॉ. प्रभात कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बलाहर से डॉ. पंकज कुमार को विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित किया।

उन्होंने छात्रों को संस्कृत के महत्व और व्यावहारिक उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय जीवन में संस्कृत को छोड़कर किसी अन्य स्रोत से संस्कार की शिक्षा देना असंभव प्रतीत होता है। हमें संस्कृत भाषा को स्वयं प्रयास द्वारा अध्ययन करना चाहिए और संस्कृत साहित्य में उपलब्ध ग्रन्थों का अनुशीलन करना चाहिए। आधुनिक समाज में संस्कृत ही सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसका प्रयोग कंप्यूटर पर सहज रूप से किया जा सकता है। संवाद

NEWSPAPERS CLIPPINGS

August, 2025

केंद्रीय विद्यालय में संस्कृत संभाषण शिविर शुरू

परागपुर : पीएम केंद्रीय विद्यालय नलेटी में सोमवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर एवं संस्कृत भारती (हिमाचल प्रदेश) के सहयोग से 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सतनाम सिंह मुख्य अतिथि रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में डा. सत्यदेव उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य छठी से आठवीं कक्षा के लगभग 70 छात्रों को संस्कृत भाषा में दक्षता प्रदान करना है। डा. सत्यदेव ने संस्कृत की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति और सभ्यता का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और संस्कृत को अपने दैनिक जीवन में शामिल करें। शिविर का आयोजन संस्कृत सप्ताह महोत्सव के दौरान किया जा रहा है। (संसू)

केंद्रीय विद्यालय में संस्कृत संभाषण शिविर शुरू

रक्कड़, 12 अगस्त (आनंद): पी.एम. केंद्रीय विद्यालय नलेटी में सोमवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर एवं संस्कृत भारती (हिमाचल प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आरंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रधानाचार्य सतनाम सिंह एवं मुख्य वक्ता के रूप में वेदव्यास परिसर बलाहर के शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के अध्यक्ष डॉ. सत्यदेव उपस्थित रहे। शिविर शिक्षक के रूप में वेदव्यास परिसर बलाहर के व्याकरण विद्या शाखा के प्राध्यापक डॉ. रूप लाल शर्मा एवं डॉ. भूपेंद्र कुमार ओझा रहे। डॉ. सत्यदेव ने बताया कि उक्त 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर केंद्रीय विद्यालय नलेटी के छठी से 8वीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 70 की संख्या में छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के संस्कृत विषय के प्राध्यापक आचार्य किशोरी लाल ने उपस्थित सभी अतिथियों

वेदव्यास परिसर के महिला छात्रावास में संस्कृत सप्ताह समारोह का शुभारंभ

रक्कड़ : संस्कृत सप्ताह समारोह के दौरान छात्राएं व शिक्षिका सामूहिक चित्र में। (आनंद)

रक्कड़, 5 अगस्त (आनंद): केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर के महिला छात्रावास में संस्कृत सप्ताह समारोह का भव्य शुभारंभ महिला अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र की निदेशिका प्रो. मोहिनी अरोड़ा के संरक्षण में हुआ।

इस समारोह का उद्देश्य छात्राओं को संस्कृत भाषा की संवाद-शक्ति, सांस्कृतिक चेतना और भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ना है। प्रो. अरोड़ा ने उद्घाटन सत्र में अपने उद्बोधन में कहा कि "संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री चेतना और सांस्कृतिक गरिमा की सजीव अभिव्यक्ति है। इसे व्यवहार में लाकर हम अपनी परंपराओं से जुड़ते हैं और आत्मिक बल प्राप्त करते हैं।" उन्होंने छात्राओं को संस्कृत को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। समारोह के प्रथम दिवस संस्कृत संभाषण वर्ग का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा शास्त्र प्रथम वर्ष की छात्राएं चंद्रेश, श्वेता, हुमदेई व साक्षी प्रशिक्षणकर्त्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

शुद्ध उच्चारण, श्लोक पाठ, संवाद अभ्यास, दृश्य अभिनय और शब्द क्रीड़ाओं के माध्यम से छात्राओं ने संस्कृत को जीवंत रूप में अनुभव किया। प्रो. अरोड़ा के मार्गदर्शन और प्रेरणा से वर्ग को एक प्रभावशाली और प्रेरणादायक शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है।

पंचतीर्थी कालेश्वर में लगाई डुबकी

कालेश्वर महादेव पंचतीर्थी के जलस्रोत में डुबकी लगाते भक्त। स्रोत: संस्थान

रक्कड़ (कांगड़ा)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी और सह निदेशक प्रो. मंजुनाथ सहित समस्त आचार्यों के प्रतिनिधित्व में निकटवर्ती कालेश्वर महादेव स्थित पंचतीर्थी के पवित्र जलस्रोत में संस्थान के कई विद्वानों ने डुबकी लगाई। ज्योतिष विषय के प्रकांड विद्वान एवं सहायकाचार्य डॉ. शैलेश कुमार तिवारी ने बताया कि शनिवार के दिन परिसर के कल्याण एवं परिसर में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कालीनाथ कालेश्वर महादेव स्थित परम पावन पंचतीर्थी में डुबकी लगाई। इस अवसर पर डॉ. भूपेंद्र कुमार ओझा, डॉ. रूपलाल शर्मा, डॉ. गोविंद शुक्ल, डॉ. योगेश पांडेय, डॉ. महात्मा वीणापाणि त्रिपाठी, डॉ. चक्रपाणि पोखरेल, डॉ. गोविंद नारायण दीक्षित आदि आचार्यों सहित कई विद्यार्थी भी सम्मिलित रहे। संवाद

आचार्यों ने कालेश्वर महादेव में लगाई आस्था की डुबकी

गरली, परागपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर गरली के आचार्यों व विद्वानों ने शनिवार को परिसर के कल्याण और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के लिए शिव तपोभूमि कालेश्वर महादेव स्थित पंचतीर्थ पवित्र जल स्रोत में वैदिक रीति से डुबकी लगाई। इस अवसर पर परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी और सहनिदेशक प्रो. मञ्जुनाथ एसजी सहित कई आचार्य और छात्र श्रद्धा भाव से उपस्थित रहे। ज्योतिष विषय के प्रकांड विद्वान एवं सहायकाचार्य डा. शैलेश कुमार तिवारी के संयोजकत्व में श्रावणी उपाकर्म की विधि अनुसार दशविध स्नान, देव-ऋषि-मनुष्य,पितृ तर्पण, शक्तिसहित सप्तऋषि पूजन और मध्याह्न संध्या उपासन जैसे वैदिक कर्मकांड संपन्न किए गए। यह अनुष्ठान न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि इससे परिसर में सकारात्मक ऊर्जाए अनुशासन और ज्ञान के प्रति गहरी निष्ठा का वातावरण भी निर्मित होता है। इस अवसर पर डा. भूपेंद्र कुमार ओझा, डा. गोविंद शुक्ल, डा. योगेश पाण्डेय, डा. महात्मा वीणापाणि त्रिपाठी, डा. चक्रपाणि पोखरेल, डा. गोविंद नारायण दीक्षित सहित कई विद्वान व बड़ी संख्या में छात्र शामिल रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और पवित्र जल की छुअन से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

विद्यार्थियों को ज्योतिष शास्त्र व यंत्रों व प्रयोग का मिलेगा ज्ञान

रक्कड़, 18 अगस्त (आनंद): केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेद व्यास परिसर में सोमवार से 10 दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया।

कार्यशाला के संयोजक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डा. मनोज श्रीमाल ने बताया कि कार्यशाला ज्योतिष जगत के लिए महत्वपूर्ण है। इससे ज्योतिष शास्त्र के विद्यार्थियों को ज्योतिष शास्त्र में प्रयोग किए जाने वाले विविध यन्त्रों के निर्माण एवं उनकी प्रयोग विधि का सहज रूप से ज्ञान प्राप्त होगा।

कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में कर्नाटक प्रदेश के खगोल-गणितज्ञ, खगोली यन्त्र निर्माता वी. शिवशंकर शास्त्री व सारस्वतातिथि के रूप में संस्कृत-विद्या धर्म विज्ञानसंकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ. रामेश्वर शर्मा ने शिरकत की।

वहीं सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. सरोजिनी महिषी, महिला संस्कृत अध्ययन अनुसन्धान केन्द्र की निदेशिका प्रो. मोहिनी अरोड़ा व उपाध्यक्ष के रूप में वेद व्यास परिसर के सह निदेशक प्रो. मंजुनाथ मौजूद रहे।

रक्कड़: कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षक, आचार्य तथा छात्र-छात्राएं सामूहिक चित्र में। (आनंद)

बलाहर में खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में कार्यशाला के शुभारंभ पर वी. शिवशंकर शास्त्री मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए। -स्रोत : संस्थान

परागपुर(कांगड़ा)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में 10 दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के संयोजक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज श्रीमाल ने बताया कि यह कार्यशाला ज्योतिष जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इससे विद्यार्थियों को ज्योतिष शास्त्र में उपयोग होने वाले विभिन्न यंत्रों के निर्माण और प्रयोग की सहज जानकारी प्राप्त होगी। डॉ. श्रीमाल के अनुसार यह अनुभव न केवल विद्यार्थियों के ज्योतिष ज्ञान में वृद्धि करेगा, बल्कि वे सिद्धांतों की सूक्ष्मता और उनके व्यापक प्रभाव को भी समझ सकेंगे।

कार्यशाला में कर्नाटक के प्रसिद्ध खगोल-गणितज्ञ एवं यंत्र निर्माता वी. शिवशंकर शास्त्री मुख्यातिथि रहे। सारस्वत अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ. रामेश्वर शर्मा उपस्थित हुए। सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. मोहिनी अरोड़ा और उपाध्यक्ष के रूप में प्रो. मञ्जुनाथ एसजी (सह निदेशक, वेदव्यास परिसर) रहे। समारोह की अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की।

इस अवसर पर ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल, व्याकरण विभाग के संयोजक डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी, डॉ. रूपलाल शर्मा, डॉ. भूपेन्द्र कुमार ओझा, शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. गौतम चौधरी सहित अन्य आचार्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेश कुमार तिवारी ने किया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दीप कुमार ने दिया। कार्यशाला में डॉ. विनोद शर्मा, डॉ. यज्ञदत्त शर्मा, डॉ. गोविंद नारायण दीक्षित सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में 10 दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला के आरंभ पर मौजूद मुख्यातिथि, विभागाध्यक्ष व छात्र • सौ. संस्कृत विवि

10 दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का आरंभ

संवाद सूत्र, जागरण • परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में दस दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का आरंभ हुआ। कार्यशाला के संयोजक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डा. मनोज श्रीमाल ने बताया कि यह कार्यशाला ज्योतिष शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें विभिन्न यंत्रों के निर्माण और उनके प्रयोग की विधि का ज्ञान प्राप्त होगा। डा. श्रीमाल ने कहा कि इससे छात्रों के ज्योतिष ज्ञान में वृद्धि होगी, जिससे समाज को लाभ होगा। इस अवसर पर कर्नाटक के खगोल गणितज्ञ वी. शिवशंकर शास्त्री और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य डा. रामेश्वर शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. सत्यम कुमारी ने की। संचालन डा. शैलेश कुमार तिवारी ने किया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और आचार्यगण उपस्थित रहे।

NOTICE

I, Yashita Rana D/o Sh. Anil kumar R/o VPO Jagrup Nagar, Sub Teh. Alampur, Distt. Kangra (H.P) declares that I have changed my name from Yashita D/o Anil to Yashita Rana D/o Anil kuma for all purposes in future

महिला सशक्तिकरण को विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध : मोहिनी

पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान आयोजित

रक्कड़ : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य। (आनंद)

रक्कड़, 20 अगस्त (आनंद): केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के डा. सरोजिनी महिषी महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र द्वारा पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्यातिथि और वक्ता के रूप में डा. किस्मत कुमार सहायक आचार्य डा. अंबेदकर अध्ययन केंद्र हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शिरकत की।

डा. किस्मत कुमार ने पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा मनुराधा, जो वर्तमान में हिमाचल प्रदेश पुलिस प्रशासन में अपनी सेवाएं दे रही हैं, उन्होंने सारस्वत अतिथि के रूप में महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। इस व्याख्यान का आयोजन वेदव्यास परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में हुआ। परिसर के सह निदेशक एवं वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. मंजूनाथ एस.जी. ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मोहिनी अरोड़ा, निदेशक, महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र ने की। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं उत्थान के लिए महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र द्वारा उठाए जाने वाले कदमों और प्रस्तावित कार्यक्रमों से भी अवगत कराया।

आदर्शों को अपनाने का लिया संकल्प

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों और उनके योगदान को याद किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

मोहिनी अरोड़ा ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के अनुमोदन से जल्द ही इन योजनाओं को प्रारंभ किया जाएगा। महिला सशक्तिकरण और उत्थान के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है।

संस्कृत विवि में अहिल्याबाई की जयंती मनाई

संवाद सूत्र, जागरण • परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के डा. सरोजिनी महिषी महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र ने पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में डा. किस्मत कुमार सहायक आचार्य डा. आंबेडकर अध्ययन केंद्र हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक प्राध्यापक डा. श्रेया बक्शी ने विचार साझा किए। मनुराधा, जो पुलिस प्रशासन में कार्यरत है, ने महिला सशक्तीकरण पर विचार प्रस्तुत किए।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में संभाषण शिविर का समापन

गरली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर संस्कृत भारती 'हिमाचल प्रदेश' के संयुक्त तत्वावधान में केंद्रीय विद्यालय नलेटी में आयोजित दस दिवसीय संभाषण शिविर का समापन गुरुवार को कर दिया गया। जिसमें मुख्यातिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी बतौर मुख्यातिथि शामिल हुईं। विशिष्टातिथि के रूप में डा. पुरुषोत्तम मौजूद रहे। समापन शिविर के कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय विद्यालय नलेटी के प्रधानाचार्य सतनाम सिंह ने की। डा. रूप लाल शर्मा, डा. भूपेंद्र कुमार ओझा किशोर कुमार झा व कुमारी लतिका विस्तारिका के रूप में इस अवसर पर उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में हुआ संस्कृत शिविर का समापन

सवेरा न्यूज/गगन सूद

प्रागपुर, : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर संस्कृत भारती (हिमाचल प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में केन्द्रीय विद्यालय नलेटी में आयोजित दस दिवसीय संभाषण शिविर का समापन गुरुवार को कर दिया गया। जिसमें मुख्यातिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी बतौर मुख्यातिथि शामिल हुई। विशिष्टातिथि के रूप में डा. पुरुषोत्तम मौजूद रहे। समापन शिविर के कार्यक्रम की की अध्यक्षता केंद्रीय विद्यालय नलेटी के प्रधानाचार्य सतनाम सिंह ने किया। डा. रूप लाल शर्मा, डा. भूपेन्द्र कुमार ओझा किशोर कुमार झा व कुमारी लतिका विस्तारिका के रूप में इस अवसर पर उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न स्पधाओं में छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग ग्रहण किया। वेदव्यास परिसर की निदेशक पर सत्यम कुमारी ने बताया कि संस्कृत को जन सामान्य की भाषा बनाने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेद व्यास परिसर समय समय पर इस तरह के संम्भाषण शिविरों का आयोजन आस पास के विद्यालयों में करता रहता है।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का समापन

गरली, परागपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदव्यास परिसर में विगत 18 अगस्त से 27 अगस्त तक चलने वाली 10 दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का समापन बुधवार को किया गया। कार्यशाला के संयोजक डा. मनोज श्रीमाल ने बताया कि इस कार्यशाला में ज्योतिषजगत् की प्रतिष्ठा एवं यन्त्रनिर्माणीय ज्ञान के संवर्द्धन हेतु विभिन्नप्रकार के यंत्रों का निर्माण विशेषज्ञों की उपस्थिति में किए गए। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास के सतसंकल्प के अनुसार विद्यार्थियों में कौशल-विकास तथा यन्त्रों की महत्ता के प्रति श्रद्धा तथा प्रयोगार्थ विश्वास की भावना विकसित होगी जो हमारे विकसित समाज के लाभार्थ अत्यन्त महत्वपूर्ण होंगी। इस अवसर पर डा. शैलेश कुमार, डा. यज्ञदत्त शर्मा, डा. विनोद शर्मा और के साथ अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में चल रही यंत्र निर्माण कार्यशाला का समापन

रक्कड़, 27 अगस्त (आनंद) : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदव्यास परिसर में विगत 18 अगस्त से 27 अगस्त तक चलने वाली 10 दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का समापन बुधवार को किया गया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल ने बताया कि इस कार्यशाला में ज्योतिष जगत की प्रतिष्ठा एवं यंत्र निर्माणीय ज्ञान के संवर्द्धन हेतु विभिन्न प्रकार के यंत्र का निर्माण विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास

वरखेड़ी के सत संकल्प के अनुसार विद्यार्थियों में कौशल-विकास तथा यंत्रों की महत्ता के प्रति श्रद्धा तथा प्रयोगार्थ विश्वास की भावना विकसित होगी। समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में के.सं.दि.वि. जयपुर परिसर से पधारे सिद्धान्त ज्योतिष के विद्वान प्रो. विजेन्द्र कुमार शर्मा, विशिष्टातिथि के रूप में खगोल-गणितज्ञ विद्वान, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ. रामेश्वर शर्मा एवं अध्यक्ष के रूप में वेदव्यास परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के मार्गदर्शन में कार्यशाला का संयोजन ज्योतिष विभाग के समन्वयक डॉ. मनोज श्रीमाल ने किया। इस कार्यक्रम का संचालन ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. शैलेश कुमार तिवारी ने किया।

पंजाब केसरी
THU,11 SEPTEMBER 2025
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 3

रक्कड़ : प्रतियोगिता के दौरान शिक्षक तथा परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी अन्य के साथ। (आनंद)

वेदव्यास परिसर में संगणकीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन

रक्कड़, 10सितम्बर(आनंद) : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान मे प्रागपुर के निकटवर्ती बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर मे संगणक(कम्प्यूटर) प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे परिसर के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वेदव्यास परिसर के कम्प्यूटर विभागाध्यक्ष अमित वालिया ने बताया कि वेदव्यास परिसर के छात्रो मे कम्प्यूटर(संगणक)की इस प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह दिखा।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मे कम्प्यूटर से संबधित इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार हुआ है, जिसमे छात्रो के लिए ईनाम भी रखा गया है। परिसर निदेशक प्रो . सत्यम कुमारी ने बताया कि दिल्ली स्थित मुख्यालय के निर्देशानुसार उक्त प्रतियोगिता तीन चरणो मे होगी। जिसका एक चरण(राऊंड)पूरा कर लिया गया है। इसमे भाग लेने वाले छात्रो मे से 10 की सिलैक्शन दूसरे राऊंड के लिए की जाएगी। इसके पश्चात दूसरे राऊंड मे पहले तीन स्थानो पर रहने वाले विजेता छात्रो को क्रमशः 5000, 4000 और 3000 रुपए का नकद राशि बतौर पुरस्कार दी जाएगी।

बलाहर वेदव्यास में कम्प्यूटर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

गरली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के तत्त्वावधान में गरली के निकटवर्ती बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में बुधवार को संगणक कम्प्यूटर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेदव्यास परिसर के कम्प्यूटर विभागाध्यक्ष अमित वालिया ने बताया कि वेदव्यास परिसर के छात्रों में कंप्यूटर (संगणक) की इस प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह दिखा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में कंप्यूटर से संबंधित इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार हुआ है, जिसमें छात्रों के लिए इनाम भी रखा गया है। इसमें भाग लेने वाले छात्रों में से 10 का सिलेक्शन दूसरे राउंड के लिए किया जाएगा। वहीं, उन्होंने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी का भी तहेदिल से धन्यवाद किया है जिन्होंने कंप्यूटर से संबंधित इस प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालय के समस्त परिसरों व महाविद्यालयों को स्वीकृति प्रदान की।

वेदव्यास परिसर में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता करवाई

रक्कड़ (कांगड़ा)। केंद्रीय संस्कृत विवि के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में संगणक प्रतिभा खोज प्रतियोगिता हुई। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वेदव्यास परिसर के कंप्यूटर विभागाध्यक्ष अमित वालिया ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता परिसर में पहली बार हुई है। परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने जानकारी दी कि दिल्ली मुख्यालय के निर्देशानुसार यह प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की जा रही है। पहले चरण में भाग लेने वाले छात्रों में से 10 का चयन दूसरे चरण के लिए किया जाएगा। दूसरे चरण में पहले तीन विजेता छात्रों को 5000, 4000 और 3000 रुपये की नकद राशि पुरस्कार में दी जाएगी। अंतिम चरण दिल्ली में होगा। फाइनल राउंड में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र को 20,000 रुपये, द्वितीय को 15,000 रुपये और तृतीय स्थान पर रहने वाले को 11,000 रुपये की राशि बतौर पुरस्कार प्रदान की जाएगी। संवाद

वेदव्यास परिसर में संगणकीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

10 स्टूडेंट्स का दूसरे राउंड के लिए किया जाएगा चयन।

अनंत ज्ञान, परागपुर

परागपुर के निकटवर्ती बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में संगणक (कंप्यूटर) प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें परिसर के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

वेदव्यास परिसर के कंप्यूटर विभागाध्यक्ष अमित वालिया ने बताया कि वेदव्यास परिसर के छात्रों में कंप्यूटर (संगणक) प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह दिखा व छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में कंप्यूटर से संबंधित इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार हुआ है, जिसमें छात्रों के लिए इनाम भी रखा गया है। वहीं, परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने बताया कि दिल्ली स्थित मुख्यालय के निर्देशानुसार उक्त प्रतियोगिता तीन चरणों में होगी। इसका एक चरण (राउंड) पूरा कर लिया गया है। इसमें भाग लेने वाले छात्रों में से 10 का सिलेक्शन दूसरे राउंड के लिए किया जाएगा।

इसके पश्चात दूसरे राउंड में पहले तीन स्थानों पर रहने वाले विजेता छात्रों को क्रमशः 5000, 4000 और 3000 का नकद राशि बतौर पुरस्कार दी जाएगी। इसके बाद दिल्ली में फाइनल राउंड का आयोजन होगा, जिसमें पहले स्थान पर रहने वाले छात्र को 20,000 ,द्वितीय को 15000 और तृतीय स्थान पर रहने वाले को 11000 रुपए की राशि का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। परिसर के कंप्यूटर विभाग अध्यक्ष व इस प्रतियोगिता के परिसर संयोजक अमित वालिया व सह संयोजक अमरचंद ने इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी का धन्यवाद किया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु अंतिम अवसर 15 सितम्बर तक कर सकते है स्पॉट आवेदन

खबरों की दुनिया

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश का अंतिम अवसर प्रदान किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्पॉट एडमिशन (On Spot Admission) प्रक्रिया 10 से 15 सितम्बर 2025 तक संचालित की जाएगी। इस दौरान विश्वविद्यालय के जयपुर परिसर सहित अन्य सभी परिसरों, आदर्श महाविद्यालयों एवं सम्बद्ध संस्थानों में शेष रही रिक्त सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि, संस्कृत केवल भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का उद्देश्य पारम्परिक ज्ञान और आधुनिक शिक्षा का संगम स्थापित करना है। यह अंतिम अवसर उन विद्यार्थियों के लिए है जो अभी तक किसी कारणवस प्रवेश नहीं ले पाए हैं। वे शीघ्र ही विश्वविद्यालय की बेबसाईट पर समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर प्रवेश पा सकते है। शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. मदन मोहन झा ने बताया कि अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर जाकर पंजीकरण करना होगा। CUET-PG 2025 स्कोर अथवा विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। सभी छात्र-छात्राये इस अवसर का लाभ उठाये। अंतिम तिथी 15सितंबर है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर में शास्त्रों के शिक्षण में नवाचार विषयक छः दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

खबरों की दुनिया

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के प्राध्यापक विकास केंद्र द्वारा शास्त्रों के शिक्षण में नवाचार विषय पर आयोजित छः दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। इस कार्यशाला में वेद, दर्शन, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र के मूर्धन्य विद्वानों और प्राध्यापकों ने भाग लेकर शिक्षण पद्धति में नवाचार को अपनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। समापन समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए परिसर निदेशक प्रो. वाई. एस. रमेश ने कहा कि प्राध्यापक को युगानुकूल परिवर्तन लाकर शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए। सारस्वत अतिथि प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने कहा कि वेद एवं वेदभाष्य को सरल एवं सुबोध शैली में पढ़ाया जाना चाहिए। प्रो. धनंजय कुमार पांडेय ने कहा कि प्रत्येक छात्र बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है, इसलिए प्राध्यापक को उसकी प्रतिभा को पहचानकर सही दिशा में मार्गदर्शन करना चाहिए। प्रो. पी. वी. बी. सुब्रमण्यम ने कहा कि प्राध्यापक केवल समस्या को समझने तक सीमित न रहकर उसके समाधान की दिशा में कार्य करे। वहीं प्रो. के. अनन्तपद्मनाभम् ने सुझाव दिया कि प्राध्यापक विकास केंद्र द्वारा रिफ्रेशर कोर्स आरम्भ किए जाएँ तथा छात्रों के लिए मासिक परीक्षाओं का आयोजन भी किया जाना चाहिए। इस अवसर पर सह-निदेशक प्रो. बोध कुमार झा, अनेक विद्वान एवं सभी शास्त्रों के सह-संयोजक उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजिका डॉ.मौनिका बोल्ला ने कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

सत्र संचालन डॉ. नरेश सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन केंद्र समन्वयिका डॉ. रेखा कुमारी ने किया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

पंजाब केसरी
WED,17 SEPTEMBER 2025
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 1

सी.एस.यू. में हुआ नवग्रह वाटिका रोपण

रक्कड़, 16 सितम्बर (आनंद): केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सी.एस.यू.) बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा नवग्रह वाटिका रोपण किया गया। विभागाध्यक्ष डा. मनोज श्रीमाल ने बताया कि नवग्रह वाटिका में आक, पलाश, खैर, अपामार्ग, पीपल, गूलर, शमी, दूर्वा एवं कुश आदि के पौधे लगाए गए। उनके अनुसार इन पौधों का किसी न किसी ग्रह से संबंध है और इन्हें प्रतिदिन जल देने से समस्त अनुकूल परिणाम देते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी एवं परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के सहयोग से उक्त कार्य को गति प्रदान की गई।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में रोपे पौधे

गरली, परागपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा नवग्रह वाटिका रोपण किया गया। जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डा. मनोज श्रीमाल ने बताया कि इस अवसर पर परिसर की ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा में अध्ययनरत आचार्य कक्षा के छात्रों द्वारा मंगलवार के दिन उक्त नवग्रह वाटिका का रोपण किया गया। उन्होंने बताया कि इस वाटिका में आक, पलाश, खैर, अपामार्ग, पीपल, गूलर, शमी, दूर्वा एवं कुश आदि नवग्रहों के पौधे लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी एवं परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के सहयोग से उक्त कार्य को गति प्रदान की गई। इस अवसर पर परिसर के समस्त विभागाध्यक्षों सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में किया नवग्रह वाटिका रोपण

वाटिका में आक, पलाश, पीपल, गूलर के पौधे लगाए गए।

अनंत ज्ञान, परागपुर

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में ज्योतिष विभाग द्वारा नवग्रह वाटिका रोपण किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज श्रीमाल ने बताया कि परिसर की ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा में अध्ययनरत आचार्य कक्षा के छात्रों की ओर से नवग्रह वाटिका का रोपण किया गया।

वाटिका में आक, पलाश, खैर,अपामार्ग, पीपल, गूलर, शमी, दूर्वा एवं कुश आदि नवग्रहों के पौधे लगाए गए हैं। श्रीमाल के अनुसार उक्त समस्त पौधे किसी न किसी ग्रह से संबंधित हैं और इन्हें प्रतिदिन जल देने से लगभग समस्त ग्रह शांत रहते हैं एवं अनुकूल परिणाम देते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी एवं परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के सहयोग से उक्त कार्य को गति प्रदान की गई। इस अवसर पर परिसर के समस्त विभागाध्यक्षों सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बलाहर में प्रतिभागियों को किया सम्मानित

परागपुर, गरली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर बलाहर कांगड़ा में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का संपूर्ति समारोह परिसर निदेशिका प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक डा. ओम प्रकाश साहनी ने कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा संचालन पीयूष कुमार त्रिपाठी ने किया। मुख्यातिथि कालिंदी कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डा. हेमंत रमन रवि व विशिष्ट अतिथि डा. ओम कुमार शर्मा प्राचार्य व्यास संस्कृत महाविद्यालय कुल्लू रहे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध लेखन, काव्यपाठ, भाषण एवं कहानी लेखन प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में क्वागतोंग विदेशी भाषा विश्वविद्यालय चीन के सहायक आचार्य डा. विवेक मणि त्रिपाठी ने आभासीय पटल से हमें संबोधित कर कार्यक्रम को सुशोभित किया। स्वागत भाषण डा. लकेश चौहान तथा धन्यवाद ज्ञापन डा. रामनारायण ठाकुर द्वारा किया गया।

केंद्रीय संस्कृत विवि के छात्रों ने राज्य स्तरीय शलाका परीक्षा में जीते पुरस्कार

हिमाचल दस्तक ■ परागपुर

केंद्रीय संस्कृत विवि वेदव्यास परिसर, बलाहर के छात्र-छात्राओं ने हाल ही में अंबेहड़ा-अट्या गांव के सुंदरनारायण गुरुकुल में आयोजित द्विदिवसीय तृतीय राज्यस्तरीय शलाका परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। परीक्षा 11 व 12 अक्तूबर को संपन्न हुई। वेदव्यास परिसर के शिक्षा शास्त्री विभाग के अध्यक्ष एवं संस्कृत भारती हिमाचल प्रदेश के प्रचार प्रमुख डॉ. सत्यदेव ने बताया कि परिसर के प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में अपने उत्कृष्ट कौशल का परिचय देते हुए संस्थान का गौरव बढ़ाया। अष्टाध्यायीकंठपाठ में कनिका को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला, जबकि नीतिशतककंठपाठ में प्रिया ने प्रथम और तमन्ना ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया। मूलरामायणकंठपाठ में दिव्यांशी डोगरा प्रथम और सिमरन को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला। व्याकरणशलाका में प्रशांत कुमार ने द्वितीय पुरस्कार जीता। वहीं ज्योतिषशलाका में नवीन को प्रोत्साहन और अभिषेक शर्मा को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। समापन समारोह में सभी मेधावी प्रतिभागियों को उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रमाणपत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से केंद्रीय संस्कृत विवि वेदव्यास परिसर, बलाहर का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

सीएसयू के बलाहर परिसर में रोपे पौधे

परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में ज्योतिष विभाग की ओर से नवग्रह वाटिका रोपण किया गया। विभागाध्यक्ष डा. मनोज श्रीमाल ने बताया कि इस अवसर पर परिसर की ज्योतिष शास्त्र विद्या शाखा में अध्ययनरत आचार्य कक्षा के छात्रों ने नवग्रह वाटिका का रोपण किया। वाटिका में आक, पलाश, खैर, अपामार्ग, पीपल, गूलर, शमी, दूर्वा एवं कुश आदि नवग्रहों के पौधे लगाए गए हैं। श्रीमाल के अनुसार उक्त समस्त पौधे किसी न किसी ग्रह से संबंधित हैं और इन्हें प्रतिदिन जल देने से समस्त ग्रह शांत रहते हैं एवं अनुकूल परिणाम देते हैं। कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी एवं परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी के सहयोग से उक्त कार्य किया गया। इस अवसर पर समस्त विभागाध्यक्षों सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। (संसू)

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में पौधारोपण करतीं निदेशक ● सौ. सीएसयू

वेदव्यास में एनएसएस की गतिविधियों पर दिए टिप्स

परागपुर, गरली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से बुधवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा योजना के माध्यम से छात्रों के अंदर सेवा भाव उत्पन्न होता है। इस अवसर पर कार्यक्रमाधिकारी अमित वालिया ने राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न गतिविधियों से छात्रों को अवगत करवाया। अमित वालिया ने राष्ट्रीय सेवा योजना एनएस एसद्ध द्वारा करवाई जाने वाले आगामी गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि शीघ्र ही ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन एनएसएस द्वारा परिसर में करवाया जाएगा।

सूद आदि मौजूद रहे। (संस)

संस्कृत विवि बलाहर को मिले 28 लाख रुपये

केंद्रीय संस्कृत विवि के अधिकारी जलशक्ति विभाग के अधिकारियों को जल समस्या दूर करने के लिए चेक भेंट करते हुए ● जागरण

परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर की पेयजल समस्या के समाधान के लिए दिल्ली मुख्यालय ने 28 लाख रुपये स्वीकृत की है। परिसर के सह निदेशक प्रोफेसर एसजी मंजूनाथ भट्ट ने बताया कि लंबे समय से परिसर में पेयजल आपूर्ति में बाधा आ रही थी, जिससे छात्राओं और स्टाफ को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या के समाधान के लिए एक कमेटी का गठन किया गया, जिसने जलशक्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों ने 28 लाख रुपये का एस्टीमेट तैयार किया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास बरखेड़ी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राशि भेज दी। जलशक्ति विभाग के एसडीओ जसवंत सिंह ठाकुर ने बताया कि चेक प्राप्त हो चुका है।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में पुस्तकालय सप्ताह आरंभ

संवाद सूत्र, जागरण ● परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का आरंभ किया गया। पुस्तकालय अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिनमें पुस्तक समीक्षा, पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता, संस्कृत पुस्तक लेखक प्रश्नोत्तरी तथा दुर्लभ ग्रंथों एवं पांडुलिपियों की प्रदर्शनी प्रमुख हैं।

कार्यक्रम का आरंभ प्रो. सत्यम कुमारी (निदेशक) की अध्यक्षता एवं सह निदेशक प्रो. मंजूनाथ एसजी भट्ट के मार्गदर्शन में हुआ। मंच संचालन डा. पुरुषोत्तम सहायक आचार्य शिक्षाशास्त्र विभाग ने किया। कार्यक्रम के संयोजक विक्रमजीत सिंह ने रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डा. महिपाल सिंह ने पुस्तकालय को जीवन को दिशा देना वाला, चरित्र-निर्माण में सहायक तथा वैचारिकी को पुष्ट करने का माध्यम बताया। इस अवसर पर डा. ओमप्रकाश साहनी, अमित वालिया, डा. मनीष कुमार, अमर चंद, डा. लकेश कुमार, वीरेंद्र कुमार, नमन व साहिल उपस्थित रहे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के आरंभ अवसर पर उपस्थित पदाधिकारी ● जागरण

सैंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी में पुस्तकालय सप्ताह का हुआ शुभारंभ

सवेरा न्यूज/गगन सूद

प्रागपुर, 14 नवंबर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में शुक्रवार के दिन राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। यह कार्यक्रम वेदव्यास परिसर में सप्ताह भर के लिए किया जायेगा।जानकारी देते हुए पुस्तकालय अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इस अवसर पर छात्रों एवं अध्यापकों के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिनमें पुस्तक समीक्षा, पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता, संस्कृत पुस्तक लेखक प्रश्नोत्तरी, तथा दुर्लभ ग्रंथों एवं पांडुलिपियों की प्रदर्शनी प्रमुख हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार के दिन दोपहर 2 बजे प्रोफेसर सत्यम कुमारी (निदेशक)की अध्यक्षता एवं सह निदेशक प्रोफेसर मञ्जूनाथ एस.जी. भट्ट के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की शुरूआत मंगल स्तुति तथा श्लोकोच्चारण के साथ हुई । कार्यक्रम के दौरान मञ्च संचालन डॉ. पुरुषोत्तम सहायकाचार्य (शिक्षाशास्त्र विभाग) ने किया । इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक विक्रमजीत सिंह ने रूपरेखा प्रस्तुत की व सप्ताहभर चलने वाली गतिविधियों के विषय में जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ महिपाल सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने पुस्तकालय को जीवन को दिशा देना वाला, चरित्र-निर्माण में सहायक तथा वैचारिकी को पुष्ट करने का माध्यम बताया । इस अवसर पर डॉ. ओमप्रकाश साहनी, अमित वालिया, डॉ मनीष कुमार , अमर चंद, डॉ. लकेश कुमार, वीरेन्द्र कुमार, नमन व साहिल आदि उपस्थित रहे ।

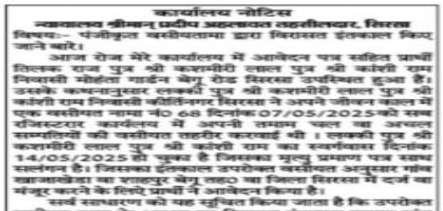

कार्यालय नोटिस
न्यायालय श्रीमान् प्रदीप अहलावत तहसीलदार, सिरसा
विषय:- पंजीकृत वसीयतनामा द्वारा विरासत इंतकाल किए जाने बारे।
आज रोज मेरे कार्यालय में आवेदन पत्र सहित प्रार्थी तिलक राज पुत्र श्री कश्मीरी लाल पुत्र श्री कांशी राम निवासी मोहता गार्डन बेगू रोड सिरसा उपस्थित हुआ है। उसके कथनानुसार लक्की पुत्र श्री कश्मीरी लाल पुत्र श्री कांशी राम निवासी कीर्तिनगर सिरसा ने अपने जीवन काल में एक वसीयत नामा नं0 68 दिनांक 07/05/2025 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय में अपनी तमाम चल व अचल सम्पत्तियों की वसीयत तहरीर करवाई थी । लक्की पुत्र श्री कश्मीरी लाल पुत्र श्री कांशी राम का स्वर्गवास दिनांक 14/05/2025 हो चुका है जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र साथ संलग्न है। जिसका इंतकाल उपरोक्त वसीयत अनुसार गांव खाजाखेड़ा व शाहपुर बेगू तह0 व जिला सिरसा में दर्ज व मंजूर करने के लिऐ प्रार्थी ने आवेदन किया है।
सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वसीयत नामा के आधार पर विरासत इंतकाल वाक्या गांव खाजाखेड़ा व गांव शाहपुर बेगू तह० व जिला सिरसा में

पुस्तकालय सप्ताह का शुभारंभ

गरली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का शुभारंभ किया गया। पुस्तकालय अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इस अवसर पर छात्रों एवं अध्यापकों के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिनमें पुस्तक समीक्षाए पोस्टर.स्लोगन प्रतियोगिताए संस्कृत पुस्तक लेखक प्रश्नोत्तरीए तथा दुर्लभ ग्रंथों एवं पांडुलिपियों की प्रदर्शनी प्रमुख हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार के दिन दोपहर 2 बजे प्रोफेसर सत्यम कुमारी ;निदेशक द्धकी अध्यक्षता एवं सह निदेशक प्रोफेसर मञ्जूनाथ एसण्जीण् भट्ट के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत लोकोच्चारण के साथ हुई । कार्यक्रम के दौरान मञ्च संचालन डा पुरुषोत्तम सहायकाचार्य ने किया।

बलाहर में स्वयंसेवियों को एकता का पाठ पढ़ाया

परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में जिला कांगड़ा के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के समापन पर सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की परागपुर शाखा प्रबंधक अनुपम शर्मा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम अधिकारी अमित वालिया की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में एनएसएस संयोजक कवि पंकज विशेष अतिथि रहे। अमित वालिया ने स्वयंसेवियों को एनएसएस की जानकारी देकर एकता का पाठ पढ़ाया। कवि पंकज ने एनएसएस का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि अनुपम शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से कैसे देश सेवा की जाती है, इसको वहां विस्तार पूर्वक समझाया। (संसू)

तहलका Live Times
HP-04-0010155, डिजिटल अखबार
मंगलवार 18 नवम्बर 2025
tehlkalivetimes@gmail. com

एक हफ़्ते की सेवा साधना का अंत, समर्पण और संस्कार से गूंजा वेदव्यास परिसर बलाहर

अनिल डोगरा , धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के बलाहर में स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदव्यास परिसर में पिछले एक सप्ताह से चल रहा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर मंगलवार को ऊर्जा, उमंग और उत्साह के जबरदस्त माहौल में संपन्न हुआ। पूरे परिसर में युवा स्वयंसेवियों की देशसेवा की प्रतिबद्धता और सांस्कृतिक रंगों की छटा देखते ही बन रही थी। समापन समारोह में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, परागपुर शाखा के प्रबंधक अनुपम शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे, जबकि मंच की बागडोर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अमित वालिया ने संभाली। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर एनएसएस संयोजक एवं कवि पंकज की उपस्थिति ने समारोह में अलग ही साहित्यिक गंभीरता जोड़ दी। शिविर का विधिवत शुभारंभ छात्रों के मंगलाचरण से हुआ, जिसके बाद कार्यक्रम अधिकारी अमित वालिया ने स्वागत भाषण देते हुए स्वयंसेवियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की भावना—एकता, अनुशासन और समर्पण—का सार समझाया। इसके बाद एनएसएस यूनिट के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह और गुलदस्ते भेंट कर सम्मानित किया। कवि पंकज ने पूरे सप्ताह चले शिविर का प्रतिवेदन बड़े ही प्रभावी अंदाज में प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि अनुपम शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि एनएसएस सिर्फ एक गतिविधि नहीं, बल्कि युवाओं के माध्यम से देशहित में दिया गया एक मजबूत संदेश है। उन्होंने स्वयंसेवियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वास्तविक राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी ही भविष्य की दिशा तय करती है। समापन के अंतिम चरण में स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत कर दिया। गीत, नृत्य और रंगारंग कार्यक्रमों ने पूरे परिसर को तालियों से गूंजा दिया। कुल मिलाकर, वेदव्यास परिसर में आयोजित यह एनएसएस शिविर सेवा, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण का बेहतरीन उदाहरण बनकर सामने आया—एक ऐसा आयोजन जिसने साबित किया कि युवा शक्ति जब सही दिशा में जुटे, तो परिवर्तन अवश्यंभावी है।

पंजाब केसरी
WED,19 NOVEMBER 2025
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 2

राष्ट्रीय सेवा योजना का समापन

रक्कड़, 18 नवम्बर (आनंद): केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में जिला कांगड़ा के बलाहर गांव स्थित वेदव्यास परिसर में विगत एक सप्ताह से चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के साप्ताहिक शिविर का मंगलवार के दिन समापन किया गया। इस अवसर पर सैंट्रल बैंक आफ इंडिया की परागपुर स्थित शाखा के शाखा प्रबंधक अनुपम शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि उपस्थितहुए।कार्यक्रमकी अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी अमित वालिया ने की।

रक्कड़ : कार्यक्रम अधिकारी अमित वालिया मुख्यातिथि शाखा प्रबंधक अनुपम शर्मा को सम्मानित करते हुए। (आनंद)

वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक कवि पंकज उपस्थित रहे। छात्रों द्वारा मंगलाचारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वहीं एन.एस.एस. यूनिट के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुपम शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से कैसे देश सेवा की जाती है, इसको वहां विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम के अंत में एन.एस.एस. स्वयंसेवियों द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

बलाहर में पहली को होगा राष्ट्रीय महिला सम्मेलन

परागपुर। आगामी पहली व दो दिसंबर को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में आयोजित होने वाली दो दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के उपलक्ष्य में बुधवार को विशेष बैठक का आयोजन किया गया। परिसर के निदेशक प्रो सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने बताया कि आगामी पहली दिसंबर को इस राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का उद्घाटन दोपहर 11 बजे किया जाएगा व समापन दो दिसंबर को दोपहर दो बजे किया जाएगा। प्रो. सत्यम कुमारी के अनुसार इस सम्मेलन में समूचे भारत वर्ष के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं को विशिष्टितिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

अमर उजाला

Kangra

20-11-2025

वेद व्यास परिसर में मनाया गौरव दिवस

रक्कड़/परागपुर (कांगड़ा)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर किया गया। मुख्यातिथि डीसी हेमराज बैरवा रहे। कार्यक्रम में विशिष्टातिथि एसडीएम देहरा कुलवंत सिंह रहे।

उपायुक्त ने जनजातीय परंपराओं, कला, संस्कृति तथा समाज के योगदान को सम्मानित करने के लिए प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण, रील पर विशेष कार्यक्रमों में बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। संवाद

वेद व्यास परिसर में मनाया जनजातीय गौरव दिवस

सवेरा न्यूज/गगन सूद प्रागपुर, : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेदव्यास परिसर में स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के अद्वितीय योगदान को सम्मानित करने और जनजातीय समाज की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को व्यापक रूप से प्रसारित करने के उद्देश्य से जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। यह दिवस महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर मनाया गया। जिन्होंने स्वाधीनता के संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभाई और आदिवासी समाज के अधिकारों एवं अस्तित्व की रक्षा के लिए अपना जीवन न्योछावर किया। बुधवार को वेदव्यास परिसर में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में मुख्य आतिथि कांगड़ा जिला के उपायुक्त हेमराज बैरवा रहे। कार्यक्रम में विशिष्टातिथि देहरा के एस डी एम कुलवंत सिंह रहे। इस कार्यक्रम में उपायुक्त ने जनजातीय परंपराओं, कला, संस्कृति तथा समाज के योगदान को सम्मानित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिता जिनमें प्रश्नोत्तरी , पोस्टर निर्माण, रील पर विशेष कार्यक्रमों में बच्चों का उत्साहवर्धन किया । उन्होंने जनजातीय समुदायों के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, गौरवशाली इतिहास और पहचान को मजबूती देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों की प्रतिबद्धता को भी पुनः रेखांकित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रोफेसर सत्यम कुमारी ने की।

वेद व्यास परिसर में मनाया जनजातीय गौरव दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में उपायुक्त कांगड़ा - जागरण

परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेद व्यास परिसर में जनजातीय गौरव दिवस मनाया। यह दिवस महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर मनाया गया। मुख्य अतिथि उपायुक्त हेमराज बैरवा थे, विशिष्ट अतिथि देहरा के एसडीएम कुलवंत सिंह रहे। उपायुक्त ने जनजातीय समुदायों के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और गौरवशाली इतिहास को मजबूत करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिनमें प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग और रील शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रोफेसर सत्यम कुमारी ने की। (संसू)

वेद व्यास परिसर में मनाया जनजातीय गौरव दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में उपायुक्त कांगड़ा ● जागरण

परागपुर : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर स्थित वेद व्यास परिसर में जनजातीय गौरव दिवस मनाया। यह दिवस महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर मनाया गया। मुख्य अतिथि उपायुक्त हेमराज बैरवा थे, जबकि विशिष्ट अतिथि देहरा के एसडीएम कुलवंत सिंह रहे। उपायुक्त ने जनजातीय समुदायों के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और गौरवशाली इतिहास को मजबूत करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिनमें प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग और रील शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रोफेसर सत्यम कुमारी ने की। (संसू)